श्रद्धा भक्ति के भावों से रीझ जाएंगे गुरूवर आएँगे

श्रद्धा भक्ति के भावों से रीझ जाएंगे,
गुरूवर आएँगे,
गुरूवर आएँगे राजेन्द्र सूरी आएँगे,
भक्ति भावना से गुरूवर को हम बुलाएंगे,
गुरूवर आएँगे,
श्रद्धा भक्ति के भावो से रीझ जाएंगे,
गुरूवर आएँगे।bd।

तर्ज – मेरी झोपड़ी के भाग।

माता केशर के नंदन जब आयेंगे,
संग खुशियाँ हजारो वो लायेंगे,
भाव भक्ति के हमारे और बढ़ जाएंगे,
गुरूवर आएँगे,
श्रद्धा भक्ति के भावो से रीझ जायेंगे,
गुरूवर आएँगे।bd।

नगरी भरतपुर जन्म लिया था,
पारीक कुल का नाम किया था,
जय जय गुरुदेव बोलो जय गुरुदेव,
जय जय गुरुदेव बोलो जय गुरुदेव।

जब कुटिया में गुरूवर पधारेंगे,
जन्मो जनम के भाग्य सँवारेंगे,
सुनी बगियाँ में फिर से फूल खिल जायेंगे,
गुरूवर आएँगे,
श्रद्धा भक्ति के भावो से रीझ जायेंगे,
गुरूवर आएँगे।bd।

'दिलबर' प्रीत जो गुरु से लगायेंगे,
गुरु कृपा से ही प्रभुवर को पाएंगे,
किशन भक्तो को गले से लगाएंगे,
गुरूवर आएँगे,
श्रद्धा भक्ति के भावो से रीझ जायेंगे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

श्रद्धा भक्ति के भावों से रीझ जाएंगे,
गुरूवर आएँगे,
गुरूवर आएँगे राजेन्द्र सूरी आएँगे,
भक्ति भावना से गुरूवर को हम बुलाएंगे,
गुरूवर आएँगे,
श्रद्धा भक्ति के भावो से रीझ जाएंगे,
गुरूवर आएँगे।bd।

गायक – किशन गोयल बालोतरा।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com